



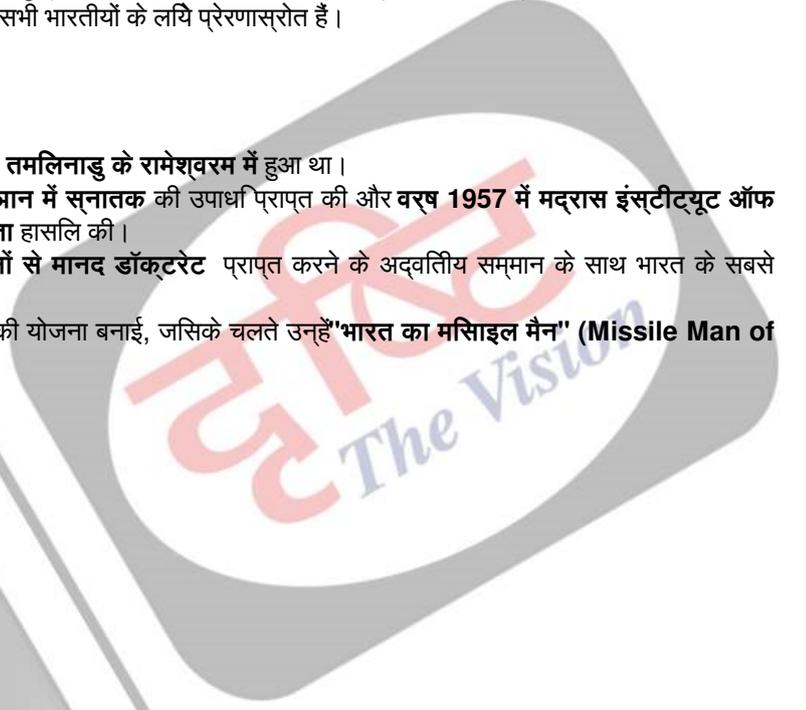
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 9वीं पुण्यतिथि

[स्रोत: हट्टिसुतान टाइम्स](#)

27 जुलाई को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि मनाई जाती है। एक वैज्ञानिक, शिक्षक और भारत के 11वें राष्ट्रपति (2002-07) के रूप में अपने अद्वितीय समर्पण के चलते वह सभी भारतीयों के लिये प्रेरणास्रोत हैं।

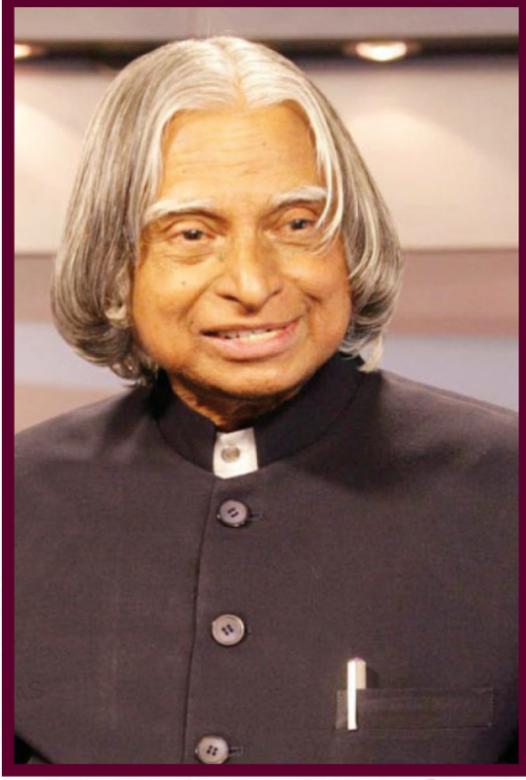
परिचय:

- डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था।
- उन्होंने वर्ष 1954 में सेंट जोसेफ कॉलेज, त्रिची से विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और वर्ष 1957 में मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) से वैमानिकी इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता हासिल की।
- वह भारत और विदेशों से 48 विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से मानद डॉक्टरेट प्राप्त करने के अद्वितीय सम्मान के साथ भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में से एक हैं।
- उन्होंने कई सफल मिसाइलों के निर्माण के लिये कार्यक्रमों की योजना बनाई, जिसके चलते उन्हें "भारत का मिसाइल मैन" (Missile Man of India) कहा जाता है।





DRISHTI IAS



डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

("मिसाइल मैन ऑफ इंडिया")



“दृढ़ संकल्प वह शक्ति है जो हमें हमारी सभी कुंठाओं और बाधाओं के माध्यम से देखती है। यह हमारी इच्छाशक्ति के निर्माण में मदद करती है जो सफलता का आधार है।”

संक्षिप्त परिचय

- ★ **जन्म:** 15 अक्तूबर, 1931 रामेश्वरम (तमिलनाडु)
- ★ इनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय नवाचार दिवस (National Innovation Day) तथा विश्व विद्यार्थी दिवस (World Students' Day) के रूप में मनाया जाता है।
- ★ भारत के 11वें राष्ट्रपति (2002-2007)
- ★ **मृत्यु:** 27 जुलाई, 2015 शिलांग (मेघालय)

पुरस्कार

- पद्म भूषण (1981)
- पद्म विभूषण (1990)
- भारत रत्न (1997)
- वीर सावरकर पुरस्कार (1998)
- किंग चार्ल्स द्वितीय मेडल (2007)
- हूवर मेडल (2008)

प्रमुख योगदान

- फाइबरग्लास टेक्नोलॉजी के प्रणेता
- एकीकृत मार्गदर्शित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी।
- पोखरण-2 परमाणु परीक्षण का नेतृत्व
- इसरो के प्रक्षेपण यान कार्यक्रम, विशेष रूप से PSLV के विकास की व्यक्तिगत जिम्मेदारी
- टेक्नोलॉजी विजन 2020 नामक एक देशव्यापी योजना को प्रस्तुत किया
- देश के हल्के लड़ाकू विमान परियोजना में शामिल रहे।
- PURA (Providing Urban Amenities to Rural Areas) योजना के माध्यम से ग्रामीण समृद्धि लाने की मांग की

साहित्यिक रचनाएँ

“विंग्स ऑफ फायर”, “इंडिया 2020-ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम”, “माय जर्नी”, “इग्नाइटेड माइंड्स-अनलीशिंग द पॉवर विदिन इंडिया”, “इनडोमिटेबल स्पिरिट”, “गाइडिंग सोल्स”, “इनविजनिंग एन एम्पावर्ड नेशन”, “इंसपाइरिंग थॉट्स” आदि।

और पढ़ें: [डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/kalam-s-9th-death-anniversary>

